आवाज़ परियोजना

रिपोर्ट का सारांशः युवा लोग और माता-पिता के लिए

दक्षिण एशियाई समुदायों के सीखने में विकलांग युवा लोगों की ज़रूरतों की सुविधा का प्रावधान करना

रघु राघवन
स्वास्थ्य, समुदाय और शिक्षा अध्ययन की स्कूल
नॉर्थुम्ब्रिया विश्वविद्यालय
न्यूकॅसल अप-ऑन टाइन

निकोले पॉवसन
आरोग्य अध्ययन की स्कूल
ब्रेडफॉर्ड विश्वविद्यालय
ब्रेडफॉर्ड

mencap
The voice of learning disability

BIG LOTTERY FUND
LOTTERY FUNDED

स्वीकृति

यह रिपोर्ट अनुसंधान में साझी हुए सभी युवा लोगों और माता-पिताओं को समर्पित हैं। हम हमारी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते है और उम्मीद करते है कि वे प्रदान की गई जानकारी उपयुक्त पाएंगे।

विषय-सूची

प्रस्तावना 5

मुख्य खोज 6

फुरसत के अवसर तक पहुँच में सुधार लाने के लिए मुख्य क्षेत्र 7

युवा लोगों की राय 9

माता-पिताओं की राय 11

सिफारिशें 13

ब्रेडफॉर्ड में फुरसत की सेवाएँ प्रदान करने वाले और अन्य विकलांगता सेवाएँ और संस्थाएँ 17

प्रस्तावना

अश्वेत और अल्पसंख्यक मानवजाति के समुदायों के सीखने में विकलांग युवा लोग फुरसत के समय की उपलब्ध सेवाओं तक पहुँचने में बाधाओं का अनुभव करते हैं। आवाज़ परियोजना ने ब्रेडफॉर्ड में दक्षिण एशियाई समुदायों के सीखने में विकलांग युवा लोगों को उनके मित्र समूह, माता-पिताओं और सेवा प्रदान कर्ताओं के साथ उन्हें चाहिए और आवश्यक थी उस तरह की फुरसत के समय की सेवाओं पर विचार-परामर्श करने का अवसर दिया।

दक्षिण एशियाई भूमिका के कुल 2 युवा लोग और 17 माता-पिता परियोजना में शामिल थे। वे फुरसत के समय के कार्यों के बारे में लोगों की राय की चर्चा करने हेतु समूहों में मिले। शोधकर्ता की मदद लेकर सात युवा लोगों को अन्य युवा लोगों के समूहों का नेतृत्व करने के लिए सहायक-शोधकर्ताओं के तौर पर प्रशिक्षित भी किया गया। उन्होंने किस तरह के फुरसत के समय के कार्यों का आनंद लिया, फुरसत के समय के कार्यों तक पहुँचने में उन्होंने किन समस्याओं का सामना किया और वे किस तरह से इन सेवाओं में सुधार लाना समझते है, हमने उन सारी बातों का पता लगाया। युवा लोगों को सुविधा प्रदान करने वाले लोग की तरह प्रशिक्षित किया गया और माता-पिताओं ने भी उनकी जरूरतों के बारे में सेवा प्रदान कर्ताओं के साथ बात की।

हम उम्मीद करते है कि यह अनुसंधान के निष्कर्ष के तौर पर सेवा प्रदान करने वाले सीखने में विकलांग लोगों के लिए फुरसत के समय की सेवाओं में सुधार लाएंगे। सेवा प्रदान करने वालों ने कार्य योजना में विशिष्ट लक्ष्यों की ओर काम करने के लिए एक मत दिखाया – यह योजना मुख्य रिपोर्ट में शामिल है।

यह रिपोर्ट मैनकेप (Mencap) द्वारा अधिकृत किया गया और राष्ट्रीय लाटरी द्वारा निधीयन किया गया।

मुख्य खोज

जिन बाधाओं ने फुरसत के समय के कार्यो तक पहुँच पाने में रुकावटें खड़ी की या जो बाधाएं फुरसत के कार्यो की सुविधा उपयोग में लाने के बारे में चिन्ता का कारण बनी, आवाज़ परियोजना में शामिल युवा लोग और माता-पिता ने बहुत संख्या में ऐसी बाधाएं व्यक्त की। उन्होंने बहुत संख्या में मुख्य क्षेत्रों को भी पहचाना जो फुरसत के समय की सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने में और प्रावधान सुधारने में मदद कर सकते थे। उनका सारांश नीचे बताया गया हैं।

बाधाएं

- युवा लोगों ने ऐसी राय व्यक्त की कि शारीरिक विकलांगता में दवाईयाँ लेने से कुछ युवा लोगों के लिए फुरसत के समय के कार्यो से जुड़ना मुश्किल काम था।
- युवा लोग सुरक्षा, परिवहन की कमी, और बस स्टॉप से दूरी के बारे में उन पारिवारिक चिन्ताओं से भी अभिज्ञ थे जिसने उनको स्वतंत्र रूप से फुरसत के कार्यो के अवसरो से रोके रखा था।
- युवा लोगों ने व्यक्तिगत सहायता में कमी, जानकारी में कमी, और दोस्तों की सीमित संख्या को फुरसत के कार्यो की सेवाओं तक पहुँच पाने में और उसे उपयोग में लाने में मुख्य बाधाओं की तरह पहचाना।
- माता-पिताओं ने फुरसत के कार्यो के प्रावधान के बारे में जानकारी की सामान्य कमी की जानकारी दी और वे भिन्न सेवाओं द्वारा प्रदान की जाती फुरसत के समय के कार्यो के बारे में हमेशा ही अभिज्ञ नहीं होते थे। माता-पिताओं ने 16 साल की ऊपर की आयु के युवा लोगों के लिए फुरसत के समय में काम की कमी बताई।
- माता-पिता युवा लोगों के साथ कर्मचारियों की नियुक्ति में कमी और प्रोत्साहित करने वाले कार्यो की कमी के बारे में चिन्तित रहते थे।
- माता-पिताओं ने फुरसत के समय के सामुदायिक कार्यो की कमी की जानकारी दी और युवा लोगों के लिए फुरसत के समय के कार्यो के लिए उचित निधीयन की कमी के बारे में उनकी चिन्ता व्यक्त की।
- माता-पिताओं ने कहा कि वे युवा लोगों की कोमलता और यात्रा तथा अन्य लोगों के साथ सम्पर्क दौरान उनकी सुरक्षा के बारे में बेचैन रहते थे।
- माता-पिताओं ने कहा कि फुरसत के समय के कार्य दक्षिण एशियाई समुदायों के लोगों के लिए उचित हो ऐसा लाजमी सुनिश्चित करने के लिए 'हमेशा' अनुकूलन नहीं पाया जाता हैं।

फुरसत के अवसर तक पहुँच में सुधार लाने के लिए मुख्य क्षेत्र

- युवा लोगों ने उनकी अधिकांश सहायता के लिए ज़रूरतें व्यक्त की, विशेष करके परिवहन, दवाईयाँ लेने में मदद, लेखन, द्रव्य उपयोग में लाने में, सही वक्त पर कार्य करना, और कब और कहां जाना है वह जानना।
- कुछ युवा लोगों ने फुरसत के समय में निश्चित काम, उदाहरण के तौर पर तरणताल (स्विमिंग पूल) में केवल महिलाओं के समूहों की आवश्यकता व्यक्त की।
- कुछ युवा लोगों ने झगड़े का सामना करते वक्त सहायता के लिए मदद व्यक्त की।
- माता-पिताओं ने कर्मचारियों द्वारा फुरसत प्रावधान में विकलांगता के मुद्दों की अधिकांश जागरूकता के लिए बहस की, और दबाव बनाया कि युवा लोगों की व्यक्तिगत ज़रूरतों की बेहतर समझ के लिए आवश्यकता थी।
- माता-पिताओं ने युवा लोग फुरसत के समय की सेवाएँ उपयोग में लाए, उसके लिए व्यक्तिगत सहायता की आवश्यकता होने की जानकारी दी।
- माता-पिताओं 'मिश्रित लिंग-जाति' की फुरसत के समय के कार्य, जैसे कि तैरना और फूटबॉल को उपयोग में लाने के बारे में चिन्तित थे, और 'समान लिंग-जाति' के कार्यों के 'अधिकांश प्रावधान' के लिए अभिलाषा की।

योगदान और सहभागिता

- अन्य युवा लोगों की तरह, दक्षिण एशियाई समुदायों के युवा लोग विस्तृत भिन्नता की फुरसत के समय के कार्यों में दिलचस्पी रखते थे। इस में ये सारे कार्य शामिल थे, जैसे कि तैरना, क्रिकेट, फूटबॉल, टेनिस, स्नूकर, गेंदबाजी, मुक्केबाजी, सिनेमाघर जाना, नाचना, एशियाई संगीत सुनना, दोस्तों के साथ आराम करना, चलचित्र देखना, जहाज या नाव चलाना, खाने के लिए बाहर जाना, बर्फ़ पर स्केटिंग करना, मेंहदी लगाना, सौंदर्य निखार की चिकित्सा कराना, कला और शिल्प कारीगरी।

परामर्श

- युवा लोगों ने उनकी सहायक-शोधकर्ताओं की भूमिका का आनंद लिया और यह परियोजना की भिन्न अवस्थाओं में उनकी सहभागिता ने उन्हें उनके मित्र समूहों, माता-पिताओं और सेवा प्रदान कर्ताओं की राय सुनने के लिए समर्थ बनाया।
- दक्षिण एशियाई समुदायों के युवा लोगों को मालूम हुआ कि फुरसत के समय की सेवाओं का आयोजन करने में सेवा प्रदान कर्ताओं द्वारा उनसे परामर्श करने की आवश्यकता थी।
- युवा लोगों ने सामाजिक सहायता समूह के लिए आवश्यकता व्यक्त की।
- माता-पिताओं ने अन्य माता-पिताओं से मिलकर हुए लाभों की जानकारी दी और दक्षिण एशियाई परिवारों के लिए माता-पिता सहायता समूह बनाने की आवश्यकता की सिफारिश की।
- सेवा प्रदान कर्ताओं ने युवा लोगों और माता-पिताओं तथा देखभाल कर्ताओं के साथ जुड़ने के अवसर का स्वागत किया।
- युवा लोग और देखभाल कर्ताओं के साथ हुई बैठक के परिणाम स्वरूप एक कार्य योजना बनाई गई (यह कार्य योजना मुख्य रिपोर्ट में उपलब्ध हैं)।

युवा लोगों की राय

"परिवार उन्हें जाने नहीं देते क्योंकि वे उनके बारे में चिन्तित रहते हैं कि उन्हें शायद कुछ हो जाए।"

"मेरे माता-पिता मुझे दुकान पर अकेले को जाने नहीं देंगे क्योंकि ऐसा करना काफी जोखिमभरा हैं।"

दक्षिण एशियाई समुदायों के युवा लोगों ने फुरसत के समय की सेवाओं तक पहुँचने में बहुत बाधाएं होने की जानकारी दी। इन में शारीरिक विकलांगता में दवाईयाँ लेना, सुरक्षा के बारे में पारिवार की चिन्ताएं, परिवहन की कमी, बस स्टॉप से दूरी, सहायता की कमी, जानकारी की कमी और दोस्तों की सीमित संख्या शामिल थी।

"कार्यों में अधिक लोग लाईए।"

"लोगों को पूछिए यदि वे खेलना चाहते हैं।"

"एक टीम की तरह काम करना।"

वे फुरसत के समय के कार्यों तक पहुँचने में सुविधा प्रदान करने वाले लोगों को पहचनानने में भी समर्थ थे। इस में दवाईयों की सहायता पाना, झगड़े का सामना करने में सहायता, सही वक्त पर कार्य करने में सहायता, द्रव्य उपयोग में लाने में सहायता, लेखन में सहायता, और कब और कहां जाना है वह जानना और यदि वे खो जाते है तो मोबाइल फोन, लघुपत्रिकाएं, किसी स्थान पर पहुँचने में सहायता और केवल महिलाओं का समूह शामिल था। युवा लोग अधिक शामिल होने के लिए और उनके जैसे अन्य युवा लोग शामिल हो इसलिए उन्हें मदद करने में उत्सुक थे।

माता-पिताओं की राय

माता-पिताओं ने बहुत संख्या में चिन्ताएं जताई और युवा लोगों के लिए फुरसत के समय के अवसर तक पहुँचने में उन्होंने जो समस्याओं का सामना किया उसे पहचानी। कुछ माता-पिताओंने कहा कि फुरसत की सेवाएँ प्रदान करने वाले कर्मचारियों में विकलांगता के मुद्दों की जागरूकता की कमी थी। उन्होंने ऐसा भी कहा कि विकलांगता की जागरूकता के बारे में कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता थी क्योंकि इन मुद्दो की कंगाल जागरूकता रही थी, विशेष करके स्वलीनता के बारे में। माता-पिताओं ने राय व्यक्त की कि किसी भी तरह की विकलांगता वाले युवा लोगों का आदर करना चाहिए।

"मैं युवा केन्द्रों को दोष नहीं दे सकता और उनको असाधारण जरूरतों वाले स्वलीन बच्चों के साथ व्यवहार करने के लिए प्रशिक्षित भी नहीं किया गया हैं। मैं सोचता हूँ, वही, बाधाओं में से एक बाधा हैं।"
एक माता

माता-पिताओं के लिए वह भी अति आवश्यक था कि सेवाएँ सांस्कृतिक और धार्मिक जरूरतों का आदर करें और ऐसे कार्य प्रदान करे जो उचित रहे हो। उदाहरण के तौर पर, ऐसी अवस्था जिसमें सुनियोजित कार्यक्रम में मदिरा परोसा गया, उसे अनुचित बात मानी गई। औरतों के लिए अलग-अलग तैरने के वर्ग भी आवश्यक थे। कर्मचारियों को दक्षिण एशियाई समुदायों में से होना ज़रूरी नहीं था जब तक सांस्कृतिक और धार्मिक जरूरतों की संवेदनशीलता सोची गई हो।

"मैने हमेशा ही उसे तैरने के लिए ले जाना चाहा लेकिन हमारी एशियाई संस्कृति की वजह से, मैं मेरे लडके के साथ पूल में नहीं जा सकता। उसे स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि वह उसकी उम्र के लिए काफ़ी लंबा हैं। हमने **** पूल में जाने का प्रयास किया लेकिन मैं वहां नहीं जा सकता क्योंकि वहां बच्चें अपने पिता के साथ होते हैं।" एक माता

माता-पिताओं को सार्वजनिक परिवहन, युवा व्यक्ति के नाजुकपन के बारे में झगड़ा होता हैं, और युवा व्यक्ति के अन्य लोगों की ओर बर्ताव चिन्ता की बात हैं। जब कुछ ग्रीष्म ऋतु की योजनाओं ने परिवहन के लिए भाड़े की मांग रखी तो एक मुद्दा बन गया था। मां-बाप संबंधी अन्य प्रतिबद्धताएं, सुरक्षा के मुद्दे और युवा व्यक्ति के स्वतंत्र रूप से यात्रा करने में विश्वास की कमी की चर्चा भी की गई थी।

"यदि बच्चा ख़तरे से बेखर हो या वह जाने का रास्ता जानता नहीं, तो किसी व्यक्ति को बच्चे के साथ रहना चाहिए, उन्हें देखते रहना चाहिए।" एक माता

अधिकांश माता-पिताओं ने एकैक के लिए सहायता की आवश्यकता व्यक्त की। युवा व्यक्ति में विश्वास की कमी, और मुद्रा और सिक्कों की समझ में सहायता की आवश्यकता भी व्यक्त की गई थी।

माता-पिताओं ने शिकायत की कि 16 साल से ऊपर के युवा लोगों के लिए प्रावधान की कमी थी। उन्होंने ऐसा भी कहा कि कर्मचारियों द्वारा प्रदान किए जाते कुछ कार्यों में, वे युवा लोगों के साथ जुड़े नहीं, और उन्होंने कार्यों को प्रोत्साहित करने में कमी दिखाई। समस्त रूप से ऐसा व्यक्त किया गया कि सीखने में विकलांग लोगों के लिए क्लबों की संख्या सीमित थी।

"16 साल से कम आयु के बच्चों के पास भिन्न सेवाओं को पाने का अवसर होता हैं लेकिन 16 साल से ऊपर की आयु वाले बच्चों के लिए कुछ भी उपलब्ध नहीं है। जब वे वयस्क उम्र पर पहुँचते हैं तब ज़रूरतें बढ़ जाती हैं। 16 साल से कम आयु वाले बच्चें सेवाओं तक पहुँचते हैं लेकिन 16 साल से ऊपर की आयु वाले बच्चों के लिए उपलब्ध सेवाओं में कमी पाई गई हैं।"
एक पिता

"मुख्य धारा के छोटे बच्चों के पास अधिक क्लब्स हैं लेकिन विशिष्ट जरूरतों वाले छोटे बच्चों के लिए क्लब्स नहीं हैं।" एक पिता

माता-पिताओं ने फुरसत के समय के कार्यों के प्रावधान के बारे में जानकारी की सामान्य कमी होने की जानकारी भी दी और वे प्रदान किए जाते कार्यों के बारे में अभिज्ञ नहीं थे।

"मैं उपलब्ध सेवाओं से अभिज्ञ नहीं हूँ। मुझे अधिक जानकारी और भिन्न कार्यों तक पहुँच चाहिए।" एक माता

"जानकारी में कमी हैं। मैं जानता नहीं कि क्या उपलब्ध हैं।" एक पिता

युवा लोगों और माता-पिताओं द्वारा व्यक्त किए गए इन मुद्दों की चर्चा सेवा प्रदान कर्ताओं के साथ की गई। बैठकों का उद्देश्य सेवाओं में सुधार लाने के हेतु से संचार और परामर्श की सुविधा प्रदान करने का और लंबे अरसे के आयोजन की जानकारी देने का था। 17 वे पृष्ठ पर दी गई सूचि ब्रेडफॉर्ड में मौजूदा उपलब्ध संस्थाओं का सम्पर्क सूत्र प्रदान करता हैं जो खोज में दर्शाइ गई कुछ ज़रूरतें पाने में सहायता या फुरसत के कार्यों का अवसर प्रदान कर सकता हैं।

सिफारिशें

अधिक संख्या में ऐसी सिफारिशे आई है जिन्हें हम यह परियोजना के सेवा कार्यान्वत करने वाले लोग और सेवा प्रदान कर्ताओं के सामने प्रस्तुत करते हैं।

योगदान और सहभागिता

- युवा लोगों का योगदान तत्पर उपलब्ध प्रतिनिधियों का सीखने में विकलांग लोगों के लिए प्रतिनिधित्व प्रतीक स्वरूप से ऊपर प्रगति करना चाहिए। यह भिन्न संस्कृति के समुदायो के सीखने में विकलांग लोगों के विस्तृत राय का प्रतिनिधित्व का स्वीकार करेगा।

- साथी सहायता समूहों दक्षिण एशियाई समुदायों के सीखने में विकलांग युवा लोगों को मैत्री करने का और सहायता का नेटवर्क बिछाने का अवसर प्रदान करेंगे। यह युवा लोगों को फुरसत के समय की सेवाओं की रचना करने में संयुक्त आवाज़ प्रदान करेगा।

- दक्षिण एशियाई समुदायों के उच्च जरूरतों वाले युवा लोगों को मुख्य धारा के लोगों द्वारा प्रदान किए जाते फुरसत के समय के कार्यो में जुडने के लिए अवसर की आवश्यकता होती हैं। यह युवा लोगों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती हैं। इसलिए सेवाओं को संसाधनो का बेहतर इस्तेमाल पर ध्यान देना चाहिए। युवा लोगों के लिए मुख्य धारा के कार्यो तक पहुँच दिलाना भी आवश्यक है, क्योंकि सीखने वाले दारूण और पेचीदा विकलांग समूहों में अनन्य योगदान सिर्फ सामाजिक समावेश में अड़चन डालना जारी रखेगा।

स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ना

- स्थानीय समुदायों में अधिकांश सहभागिता स्थिर नेटवर्क्स बनाने में और सामाजिक समावेश को उभारने में सुविधा देने की होनी चाहिए। समुदाय आधारित अधिक कार्यो की रचना करने में संसाधनो को भी रखने चाहिए। यह शायद परिवहन संबंधित मुश्किलें आसान बना सके और पहुँच बढ़ा सकें।

- दक्षिण एशियाई समुदायों के युवा लोग और देखभाल कर्ताओं के साथ नियुक्ति यह समुदाय के साथ कड़ियाँ पालने के लिए महत्वपूर्ण हैं। समझे गए 'सम्पर्क करने में मुश्किल समूहो' तक पहुँचना सक्रिय योगदान और यह स्थानीय समुदायों के साथ नियुक्ति के जरिए ही सिद्ध किया जा सकता हैं। यह बाधाओं को ध्वस्त करने में और इन भिन्न अल्पसंख्यक समूहों के बारे में कहानियों को दूर करने में मदद करेगा।

- घरेलू भेंट करना और आवश्यकता पडने पर दुभाषियों को उपयोग में लाना शायद व्यावसायिकों और परिवारों के बीच संबंध गाढ़ा बनाने में मदद कर सकता है। माता-पिताओं और अन्य पारिवारिक देखभाल कर्ताओं के पास सेवा प्रदान कर्ताओं को सम्मुख मिलने का अवसर होना चाहिए जिससे वे अपनी चिन्ताओं और राय के संबंध में उनके साथ प्रत्यक्ष जुड़ सकें। यह सेवा में विश्वास बनाए रखने में मदद करेगा और फिर से दृढ़ महसूस करेगा कि युवा व्यक्ति को पर्याप्त सहायता मिलेगी और उसकी देखभाल की जाएगी।

- सेवा कार्यान्वत करने वाले लोग, सेवा प्रदान कर्ताओं और सहायता प्रदान करने वाले कार्यकरों को युवा दक्षिण एशियाई लोग और उनके पारिवारिक देखभाल कर्ताओं की धार्मिक और सांस्कृतिक ज़रूरतों में अपनी समझ बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक विभिन्नता और सांस्कृतिक गुण के लिए ज़रूरतों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। कर्मचारियों के प्रशिक्षण का उद्देश्य भिन्न मानवजाति और सांस्कृतिक समूहों में लोग किस तरह से एक दूसरे से भिन्न होते है उसके बारे में जागरूकता बढ़ाने का होना चाहिए। जागरूकता और सांस्कृतिक कहानियों की समझ और पूर्वानुमान और रवैये तथा बर्ताव के नकारात्मक स्वरूप में उनके प्रभाव को बढ़ावा देना चाहिए।

- युवा लोग और उनके परिवारों को परिवहन में मदद और सहायता की आवश्यकता रहेती हैं।

परामर्श

- फुरसत के समय की सेवाओं के आयोजन और स्वरूप में दक्षिण एशियाई समुदायों और परिवारों के युवा लोगों के साथ परामर्श करके सेवाएँ नियमित रूप से होने की आवश्यकता हैं। सेवाओं को दक्षिण एशियाई समुदायों के साथ लचीलापन और सृजनात्मक नेटवर्क्स स्थापित कर के युवा लोग और परिवारों के साथ जुड़ने की उनकी प्रतिबद्धता और तत्परता दिखाने की आवश्यकता हैं।

- सेवाओं को समुदायिक कडियों का पालन करने में और सुविधा प्रदान करने में निवेश करने की, और स्थानीय दक्षिण एशियाई समुदायों के साथ भरोसा बनानें की आवश्यकता हैं, जो संबंधों को गाढ़ा बनाने और सकारात्मक साझेदारी को कार्यान्वत करके विकास की सुविधा प्रदान करने में मदद करेगा।

- दक्षिण एशियाई परिवारों के सहायता समूह/नेटवर्क की रचना की सिफारिश माता-पिताओं द्वारा की गई हैं। यह परिवारों और युवा लोगों के बीच संपर्को को गाढ़ा बनाने में मदद करेगा। यह फुरसत के समय की सेवाओं के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए एक फोरम (मंच) की तरह भी काम करेगा।

सम्मिलित सेवाएँ

- मुख्य धारा की फुरसत के समय की सेवाओं में युवा लोगों का अधिक समावेश होना चाहिए। इस में शायद कर्मचारियों को विकलांगता के बारे में प्रशिक्षण देना और जागरूकता बढ़ाना भी शामिल हो सकता हैं। फुरसत के समय के कार्यो को दारुण विकलांगता वाले युवा लोगों के लिए अधिक पहुँच योग्य बनाना भी अनिवार्य हैं।

जानकारी और संचार

- युवा लोगों को समझने में आसान भाषा और चित्रमय स्वरूप में सेवाओं के बारे में जानकारी भी प्रदान की जानी चाहिए जिससे वे सुविज्ञ पसंद करने में समर्थ बनें। जानकारी वीडियो, डीवीडी और प्राप्य वेबसाइट के माध्यम से भी प्रदान की जानी चाहिए।

- जानकारी सिर्फ लघुपत्र में ही प्रदान नहीं की जानी चाहिए क्योंकि ब्रेडफॉर्ड में प्रयोग की जाती कुछ एशियाई भाषाओं में लिखित स्वरूप नहीं होता (उदाहरण के तौर पर मिरपुरी (पंजाबी) और सीलेह्टी (बंगाली)। एशियाई रेडियो केन्द्र और मंदिर, मस्जिद तथा गुरूद्वारा और गिरजाघर जैसे धार्मिक प्रार्थना स्थानों पर जानकारी प्रदान करने से शायद अधिक लोग तक पहुँच पा सकते हैं।

- बहु सांस्कृतिक समाज में परिचालन सेवाओं के लिए सेवा एजेंसियों के दक्षिण एशियाई समुदायों के परिवारों के साथ योग्य तरीके के संचार-व्यवहार के लिए व्यावसायिक दुभाषियों का उपयोग एक नियत रीति होनी चाहिए।

SPORTS CENTRE